**SET – 4** 

Series: SGN/C Code No. 1

Roll No.

Candidates must write the Code on the title page of the answer-book.

- Please check that this question paper contains 4 printed pages.
- Code number given on the right hand side of the question paper should be written on the title page of the answer-book by the candidate.
- Please check that this question paper contains 17 questions.
- Please write down the Serial Number of the question before attempting it.
- 15 minute time has been allotted to read this question paper. The question paper will be distributed at 10.15 a.m. From 10.15 a.m. to 10.30 a.m., the students will read the question paper only and will not write any answer on the answer-book during this period.

## HECTIMATION OF THE MANIPURI

 स्टार्ट्ड स्ट्रेडिट : 100 Maximum Marks : 100

SECTION - A
Grammar (Q. No. 1 - 4)

1. लहा प्रमण्ण एसेल प्राणिष्ठ जिल्ला मह्म प्राणिष्ठ प्रमण प्

5

2. हिन्द अर्था भरें हैं जार कार है जार है जा है जा है जो है जो है जो से जो से

2 + 3 = 5

- 3. स्राप्त प्राप्तिष्ठ प्रेज्ञातिक प्राप्ति प्राप्ति स्राप्ति स्राप्ति है प्राप्ति प्राप्ति प्राप्ति प्राप्ति स्राप्ति प्राप्ति स्राप्ति प्राप्ति प्राप्ति प्राप्ति स्राप्ति प्राप्ति स्राप्ति प्राप्ति स्राप्ति प्राप्ति स्राप्ति स्राप
  - ॥ देष ब्रह्म क्रिय प्राध्यम् (स्र

  - ट) <u>रोमए हर छेठए ह</u>ि प्रमू प्रापिटी ॥
  - ॥ <u>भाग</u> या उत्तर्द भाग भाग भाग भाग । भाग भाग । भाग ।
  - ॥ जिसार एछदर्व ने उमर प्राप्त दिस

11 C/1



4.		ा द्वाधिक क्रिक्र मार्थिक मित्र मुस्स्य व्याधिक विभाग क्रिस विभा	× 5= 5
		। ल्राणं उत्रंग सण°भार'र्ह्स ४५°त्र ४ र्ह्म	
	(က)	प्रेड्डिएक <u>रुप्रे</u> डिकार्ग हर प्रजातिकार के का स्वात्त्र का	
	ਰ)	ചാരു कुम्र द्राप्तात्त ः - क्रिक्ट्राप्त क्रिक्ट्राप्त अर्थ अण्यात्र अर्थ आप्तात्म थ्रम् ॥	
	<b>Æ</b> )	स्र्रेण ९२२ होत्र ॥ - प्राण्या क्राण्या स्राण्या	
	2115)	स्त्रेण व्याधिक प्राप्त प्राप्त प्राप्त होता प्राप्त होता व्याधिक प्राप्त होता होता है स्वाधिक प्राप्त है स्वाधिक स्वाधिक प्राप्त है स्वाधिक स्वा	
		SECTION – B Comprehensive	
5.	E, LC, E,	ा द्रशास मज्जूस मान्यस्त्रीस गाणा भारतीय प्रभास मान्यस्त्रीस भारतीय विभाग मान्यस्त्र प्रभाम विभाग प्रभाम विभाग प्रभाम विभाग प्रभाम विभाग	प्रमारे जिम प्र प्रमारे
	W)		1
	(က)	गार्ष्ट्रल्य मंग्राह्म क्रिक्ट्रिक महास सामा हुन ।	1
	ਰ)	ー HETHで の運が E <sup>9</sup> III塚IIIで?	1
	₩)	भेषा क्रिया हिन्द्र आहे हिन्द्र आहे हिन्द्र विकास क्रिया विकास क्रिय क्रिया विकास क्रिया विकास क्रिया विकास	2

## SECTION – C Composition & Writing (Q. no. 6-8)

6. 雨えず 川 (फ॰फ) 世紀 (फ॰फ) 世紀 (फ॰फ) 世紀 (फ॰फ) 世紀 (大) 田 (大) 田

- ന) गारेञ्च-प्रभाग प्रमेख्ट ॥
- ट) व्राप्तेष क्षेट्र ॥

11 C/1



- 7. विकार कोराणें विकास प्रात्म प्रात्म प्रात्म प्रात्म प्रात्म प्रात्म प्रात्म के कि कोरा प्रात्म प्
- 8. स्प्रेंक गारिति के गोरेक्ष्म किया किया किये कि के किये किये किये किये गोरिक्ष किये ।  $3 \times 2 = 6$ 

  - ന) നेर लिश्ट ऋणाण्यक्र मिट लिश्ट प्रिक्रिट ॥

## SECTION - D

## Literature

(Prose Q No. 9-13 and Poetry Q No. 14-17)

- 9. रोज्रह्म प्रमाण्या मिन्धा मिन्धा राष्ट्रिय एक प्राप्त के का अपने कि स्वाप्त के स्वाप
  - ख्या) वोसेश्रः, स्ट्रेगेव४७ सेंडें यूजारीणूमय ग्रीष्ठ हैं है के, वर्ष प्रस्लूण लव४ष्ट्री प्रेवी, क्रिक्रें यूजारीणी सर्वेण याप्य क्रमदेक ॥
- 10. "જ्योक्ष्म कर्षेत्र क्षेत्र क्षे
  - प्रोहम प्राप्त मिए मिए के क्रिक्र के क्रिक्ष शिक्ष के क्रिक्ष शिक्ष कि स्वाप्त कि स्वाप्त कि स्वप्त कि
- 11. "जभेष्ठ क्रिक्स क्रिया क्रिया क्रिया भाष्यक क्रिया हिन्द्र "॥
  - ।। स्यार्थ क्रुयर्ट भाषम्य रक्षत्र रिस्म रियम विभय मित्रम
- - स्रा (अर्थ <u>किस</u> मंग्रार पामस्रीगा किस्र जो अञ्चल जिस्र सर्व विषय के सम्बन्ध कि स्वाप्त के स्वर्थ के सम्बन्ध के समित्र के सम्बन्ध के समित्र के समित्र
  - (9)  $\sqrt{3}$   $\sqrt{3}$
  - ट) फराइक्ट (AIDS) देहरोट फरोट है आर जाए जो प्राप्त कि प्राप्त कि एक रहे । 4
- 13. स्टेंक गार्विष्ठणीय प्राप्तिकार्ग गारेक्ट्रम ॐट ॐट गार्वे गार्वे ग्रा

- $1 \times 4 = 4$
- ന) संक्षे द्राारिए सम्केष्ठ प्रेक्ट प्रेक्ट प्रकेश प्राप्त स्वर्ध प्रार्थ कर्वे प्रार्थ हैं।
- हे शाहरेल माम विकास कार्य होता है।
- स) लएं जे वाहर सम्बद्धित सून्न मह्म मिल्ला का का कि विक्र खान है ?

11 C/1



```
ऋआरुगार्व क्रॅंटेन ह्रैटष्ठ
                                          WA)
                                                                                    क्यमार्थिक
                                                                                    क्षित्र । कि सम्बर्धा आर भारक सम्बर्धा
                                                                                                                               υγλεμών,
                                                                                  ल<u>ण्डा</u> अकि सम्बद्धा गिर्मे के मेर्टा निया
                                         (က)
                                                                                   क्रमणमणा राष्ट्र आर्ष्टि रहित
                                                                                    हरम°र राणा ज्या ग्रिक
                                                                                     ज्द<sup>ं</sup> या ग्रेस
                                                                                    न्द्रीण्या स्वासम्बन्ध महा स्वा रहेला हिल्ला ।
15. "म्मूमरे म्मरे एमररू
                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                         1 + 1 + 4 = 6
                                         स्रज्ञण्याद्य द्रश्यार्य अन्नम्
                                         ത്യ ചാര് उत्पार का अधार का अधार का अधार के अधार के अधार के अधार के अधार का अध
                                         - 'प्रमा अध्य गाम्वर्ट 'तर्राण'ण अभ्यामण' -
                                            क्रियात ग्रेम्य गालक्ष्य अरा विध्य किर्
                                        क्ति प्रजार कल्ला कल्ला कल्ला प्राप्तिक्रम गार्थ ॥
                                                                        "प्रध्यात्रहरूण लेखएँ,
                                                                                    गारेक्रम्भकृष्ट लेख्एँ
                                                                                    ण्या अधिक स्व
                                                                                                 किश्वासात के अध्यक्त के अध्यक्त कि सामा का मार्थ के अध्यक्त के स्वास के स्वास के अध्यक्त के स्वास के अध्यक्त के अध्यक के अध्यक्त के अध्यक्त के अध्यक्त के अध्यक्त के अध्यक्त के अध्यक के अध्यक के अध्यक्त के अध्यक के अध्यक के अध्यक्त के अध्यक के अध्य
                                                                                     "अमहे ऋहै आ स्टेक्स अमल्"
                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                      1 + 3 = 4
                                                                                    E'amota "Bound's
                                                                                     1 + 3 = 4
                                                                                    "मय्ण में भिराह्म रे हिंच है कि उत्तर है है । "म
                                         ਰ)
                                                                                     - ब्रिज्या क्रिया क्रिय हे स्राध्य क्रिया में स्राध्य 
                                       मर्जेष गार्विष्ठलाण प्रलागि गारेष्ठ्रम छ॰एए छ॰एए गार्विर्य ॥
                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                       1 \times 5 = 5
                                                                          म्यानी सित्तमध्यामि अमध्य स्थाप्त कामिस्य मित्रम् ।
                                                                                     "म्रोज्य गार अर्था । स्वार्थ मिट
                                         (0)
                                                                                    अद्विष्ठ मा विषय मा विषय अधिक अधिक अधिक मुद्र मा विषय अधिक विषय में अधिक में अधिक विषय में अधिक विषय में अधिक विषय में अधिक विषय में अधिक में 
                                                                                     'गामञ्रे एं उप्रमुख्य प्रशुक्र प्रभूष है । अध्या अध्या अध्या अध्या ।
                                         ਰ)
                                                                                  श्वाध्य हिस्स गारमण उपाण प्रशाप प्रशाप प्रशास प्रशास प्रशास
                                         HE)
                                                                                   "प्रश्णादे स्टाया द्यार्थक भू
                                                                                    माश्रिय येश्यार येशस्या"
                                                                                    - ग्रेस्या क्रिक्ट क्रेडिंग सामिर्य - ग्रेस्य क्रिक्ट अराध्या -
```

रहेत्र उपा मिन्न प्रत्या के प्राप्त प्रमा मिन प्राप्त मिन प्राप्त मिन स्राप्त रहे

11

**C**/1

6